''हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टीफिकेट परीक्षा

बहीखाता एवं लेखाकर्म

समय 3 घण्टा **पूर्णांक – 100**

नोट – 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानीपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

3. प्रश्न पत्र दो खण्डों में खण्ड अ और खण्ड ब

4. खण्ड अ में दिये गये प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ है इसके अंतर्गत सही विकल्प का चयन रिक्त स्थान की पूर्ती, सही जोड़ी बनाना, सत्य/असत्य एवं एक वाक्य में उत्तर लिखने है प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

5. खण्ड ब में प्रश्न क्रमांक 6 से 20 में आंतरिक विकल्प दिये गये।

6. प्रश्न क्र. 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

7. प्रश्न क्र. 11 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

8. प्रश्न क्र. 16 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

खण्ड – अ

(Section - A)

प्र. 1 निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनकर लिखिये।

अ) उधार विक्रय पर दिया जाने वाला कमीशन कहलाता है।

1) सामान्य कमीशन 2) अधिभावी कमीशन

3) परिशोध कमीशन 4) उपरोक्त में से कोई नहीं

ब) साझेदारी संलेख बनाना

1) अनिवार्य है। 2) ऐच्छिक है।

3) अशंत अनिवार्य है 4) कोई आवश्यक नहीं।.

स) पुर्नमूल्याकंन पर काम सांझेदारी के पूंजी खाते में उनके लाभ हानि विभाजन अनुपात में किया जाता है।

1) डेविट 2) क्रेडिट

3) डेविट एवं क्रेडिट दोनों 4) इनमें से कोई नहीं।

द) फर्म के विघटन पर बनाया जाने वाला खाना जिसमें सम्पत्ति के विक्रय से प्राप्त राशि एवं दायित्वों का भुगतान किया जाता है।

1) पुर्नमूल्याकंन खाता 2) वसूली खाता

3) बैंक खाता 4) हीनता खाता

ड़) ऋण पत्र धारी कम्पनी के होते है।

1) स्वामी 2) लेनदार

3) देनदार 4) संरक्षक

प्र. 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये।

1. वह हानि जो प्राकृतिक कारणों से होती हैं ..... हानि कहलाती है।
2. बैंकिंग व्यवसाय में साझेदारी की संख्या अधिकतम ..... होती है।
3. स्थानि की राशि पर अधिकार ..... सांझेदारों का होता है।
4. फर्म के विघटन पर न्यायालय द्वारा ..... की नियुक्ति की जाती है?
5. परिवर्तनीय ऋणपत्रों को निश्चित अवधि के बाद ..... बदला जा सकता है।

प्र. 3 निम्नलिखित की सही जोड़ीया बनाइये –

1. बीजक मूल्य से अधिक मूल्य पर बिक्री – मेमोरेण्डम विधि
2. साझेदारी संलेख के अभाव में लाभ – अधिभावी कमीशन
   हानि का वितरण
3. संचित कोष एवं अवितरित काम – ऋण पत्रधारियों का भुगतान

	पर अधिकार होता है।		सर्वप्रथम होता है
4.	ख्याति का लेखा करना	–	समान अनुपात में किया जायेगा
5.	कम्पनी समापन की दशा में	–	समान अनुपात में किया जायेगा

प्र. 4 निम्नलिखित का सत्य/असत्य में उत्तर दीजिये –

1. मार्ग में होने वाली हानि को आसामान्य हानि कहेंगे।
2. ख्याति लेखा एक अमूर्त सम्पत्ति है सांझेदारों को इसे शीघ्र अपलिखित कर देना चाहिये।
3. संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी का समपर्ण मूल्य नहीं होता है।
4. फर्म के समापन एवं साझेदारी के समापन में कोई अंतर नहीं है।
5. ऋणपत्रों पर केवल लाभ होने की दशा में ही ब्याज दिया जा सकता है।

प्र. 5 निम्नलिखित में से प्रत्येक का एक शब्द में उत्तर दीजिये –

1. प्रेषण व्यवहार में किस प्रकार की हानि का बीमा कराया जाता है।
2. किस प्रकार की ख्याति का मूल्य सबसे कम होता है।
3. सम्पत्ति एवं दायित्वों को पुस्तकीय मूल्य पर लिखा जाता है।
4. किस दशा में सांझेदारों के काम हानि विभाजन अनुपात में वृद्धि होती है।
5. क्या ऋणपत्रों को जब्त किया जा सकता है।

खण्ड – ब

प्र. 6 'स्थायी पूंजी खाते और परिवर्तनशील का पूंजी खाते में चार अंतर बताइये।

अथवा

अशोक एवं सलीम एक फर्म में साझेदार है। जनवरी 2009 को उनकी पूंजी क्रमश 7000 और 6000 रू. थी। उन्हें पूंजी पर 7% की दर से ब्याज दिया जाता है अशोक ने 1 जुलाई 09 को फर्म को 1600 रू. का ऋण दिया। सलीम को 800 रू. प्रतिवर्ष वेतन दिया जाता हैं 31 दिस. 2009 को समाप्त वर्ष का लाभ उपयुक्त समयोजन के पूर्व 2000 रू. है लाभाकाय नियोजन खाता बनाइये।

प्र. 7 अंश एवं ऋणपत्रों में कोई चार अंतर बताइये ?

अथवा

रामा एण्ड कम्पनी ने 10,000 12% ऋणपत्र प्रत्येक 100 रू. वाके निर्गमित किये इन ऋणपत्रों पर समस्त राशि एक मुश्त प्राप्त हो गयी जर्नल प्रविष्टि कीजिये।

प्र. 8 पूर्वाधिकार अंशों की कोई चार विशेषता बताइये ?

अथवा

X, Y, Z लिमिटेड ने 100 रू. वाले 5000 समता अंश 105 रू. की दर से निर्गमित किये जिन पर 20 आवेदन पर 35 रू. आवन्टन पर प्रीमियम सहित 30 रू. प्रथम याचना पर तथा शेष अंतिम याचना पर देय है। सभी राशियां यथा समय प्राप्त हो गयी। कम्पनी की पुस्तक में पंजी प्रविष्टियां कीजिये।

प्र. 9 वित्तीय विवरण के विश्लेषण के कोई चार उद्देश्य लिखिये।

अथवा

लेखांकन अनुपात की कोई चार सीमाओं का वर्णन करें।

प्र. 10 रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्य बताइये।

अथवा

रोकड़ प्रवाह विवरण की सीमायें बताइये।

प्र. 11 फेथ फार्मा इंदौर ने दवाईयों की 35 पेटीयां जय मेडिकल इटारसी को 8400 रू. के बीजक मूल्य पर भेजी जो लागत मूल्य से 20% अधिक था। उन्होंने गाड़ी भाड़ा तथा रेल किराया के 700 रू. चुकाये। रास्ते में पांच पेटीयां खो गयी तथा रेल्वे कॅम्पनी ने 1000 रू. क्षतिपूर्ती के दिये। प्रेषणी ने माल पर 240 रू. व्यय किये उसने 25 पेटी 7500 रू. में बेच दी तथा 600 रू. बिक्री व्यय हुआ वे कुल बिक्री पर 5% कमीशन के अधिकारी है। उपरोक्त विवरण से प्रेषण खाता बनाइये।

अथवा

प्रेषण खाता तथा व्यापार एवं लाभ हानि खाते में अंतर बताइये।

प्र. 12 ख्याति उत्पन्न होने के पांच कारण लिखिये।

अथवा

एक फर्म की क्रियाशील पूंजी 40,000 रू. है। इस प्रकार के व्यवसाय में 10% सामान्य लाभ होने का अनुमान हैं। फर्म का 5 वर्षों का औसत लाभ 8000 रू. है। संलेख के अनुसार ख्याति का मूल्य पिछले 5 वर्षों के औसत अधिकाम का 3 गुना है। ख्याति की गणना करें।

प्र. 13 राम और श्याम सांझेदार है तथा 2:1 में लाभ विभाजन करते है। 30 जून 2008 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार है।

स्थिति विवरण

दायित्व	**राशि**	**सम्पत्ति**	**राशि**
देय विपत्र	500.00	सयंत्र	1,00,000.00
लेनदार	23600.00	उपस्कर	6,000.00
पूंजी खाते		देनदार	36,000.00
राम 1,02,900		रहतिया	54,000.00
श्याम 73,500	1,76,400.00	रोकड़	4,500.00
	2,00,500.00		**2,00,500.00**

1 जुलाई 2008 को उन्होंने कृष्ण को सांझेदारी में लेने का निश्चय किया उसे 1/5 भाग निम्न शर्तो पर देना निश्चय किया –

1. कृष्ण ख्याति के लिये 15,600 रू. लायेगा जो व्यापार में ही रहेगी।

2. रहतिया का मूल्यांकन 10% बढ़ाना है उपस्कर एवं यंत्र का मूल्यांकन 6% से कम करना है तथा देनदारों पर 10% इवंत ऋण कोष बनाना है। कृष्ण अपने भाग के किये यथेष्ठ पूंजी लायेगा।

उपयुक्त से पुर्नमूल्यांकन खाता तथा पूंजी खाता बनाइये।

अथवा

निवृत्तमान सांझेदार को देय राशि की गणना किस प्रकार की जाती है।

प्र. 14 अंशों के हरण से क्या आशय है अंश हरण की वैद्य दशायें कौन कौन सी है।

अथवा

जब्त अंशों के पुर्न निर्गमन की प्रक्रिया को समझाइये?

प्र. 15 कम्पनी के स्थिति विवरण के सम्पत्ति पक्ष की मदों को संक्षेप में समझाइये।

अथवा

कम्पनी के चिट्ठे में दायित्व पक्ष की किन्हीं तीन मुख्य शीर्षक मदों को समझाइयें?

प्र. 16 नेहा एवं अंकिता का स्थिति विवरण दिया गया है। जो समान अनुपात 1/2 के साझेदार है। (बराबर)

स्थिति विवरण

दायित्व	राशि	सम्पत्ति	राशि
पूंजी A/C.		मशीनरी	9000.00
नेहा 10,000.00		स्कंध	10000.00
अंकिता 7,000.00	17,000.00	देनदार	2500.00
लेनदार	3000.00	रोकड़	2500.00
नेहा का ऋण	4,000.00		
	24,000.00		**24,000.00**

उन्होंने फर्म के विघटन का निर्णय किया सम्पत्तियों से वसूली इस प्रकार मशीनरी पर इसके पुस्तक मूल्य से 20% स्टॉक पर इसके पुस्तक मूल्य से 10% कम देनदारों पर 20.00 रू. मिले लेनदारों को 10% की कटौती पर भुगतान किया गया। विघटन के क्रय 500 रू. थे। आवश्यक पूंजी प्रविष्टियां दीजिये एवं वसूली खाता बनाइये।

अथवा

वसूली खाते एवं पुर्नमूल्याकंन खाते में कोई छह अंतर स्पष्ट कीजिये।

प्र. 17 आशा इण्डस्ट्रीज लिमिटेड इंदौर में 80000 रू. में एक मशीन प्रतीक मशीनरी पीथमपुर से क्रय की। उन्होंने 30000 रू. नगद चुकाये तथा शेष रकम के लिये 10 रू. बाकी 5000 रू. पूर्णदत समता अशं निर्गमित किये आशा इण्डस्ट्रीज लि. की पुस्तक में आवश्यक पंजी प्रविष्टि कीजिये।

अथवा

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखों

1. अति अभिदान
2. अंश प्रीमीयम

प्र. 18 एक लिमिटेड कम्पनी ने 100 रू. बाले 5000 6% ऋणपत्र 10% बट्टे पर निर्गमित किये। प्राप्त राशि निम्न प्रकार से है। आवेदन पर 10 रू., आवण्टन पर 30 रू., प्रथम याचना पर 40 रू. तथा शेष अंतिम याचना पर यह मानकर कि सभी राशि या यथा समय प्राप्त हो गयी। कम्पनी के जर्नल में लेखा कीजिये।

अथवा

ऋणपत्रों के शोधन की विधियों का वर्णन कीजिये।

प्र. 19 निम्नाकिंत सूचनाओं से चालू अनुपात, तरल अनुपात एवं अति तरल अनुपात ज्ञात कीजिये।

अंश पूंजी 15000, ऋण पत्र 6000, लेनदान 3000, देय विपत्र 2600 बैंक अधिविकर्ष 2000 अदत वेतन 1400 रू. भवन 10,000 रू. व्यापारिक विनियोग 2500 रू. प्राप्त विपत्र 3000, देनदार 4000 रू. रहतिया 2000, रोकड़ 500 रू. ख्याति 8000 रू.

अथवा

वित्तीय विश्लेषण की विधियों का संक्षेप में वर्णन कीजिये। कोई तीन विधियां

प्र. 20 रोकड़ प्रवाह विवरण तथा कोष प्रवाह विवरण में अंतर स्पष्ट कीजिये।

अथवा

निम्नलिखित सूचनाओं से टाटा स्टील लि. का रोकड़ प्रवाह विवरण तेयार कीजिये।

स्थिति विवरण

दायित्व	**2007**	**2008**	**सम्पत्तिया**	**2007**	**2008**
अंश पूंजी	55,000	63,500	संयंत्र	15,000	17,000
संचय	15,000	19,000	भवन	20,000	16,000
ऋणपत्र	22,000	22,000	भूमि	24,000	24,000
लेनदार	30,000	32,000	देनदार	11,000	21,600
संचयी ह्रास	5,000	12,800	रोकड़	40,000	54,400
			स्टॉक	15,000	15,000
			ऋण पत्र पर छूट	2,000	1,800
	1,27,000	**1,49,800**		**1,27,000**	**1,49,800**

"आदर्श उत्तर"

बहीखाता एवं लेखाकर्म

Book Keeping and Accountency

खण्ड–अ

सही विकल्प चुनकर लिखों

प्र. 1 अ. परिशोध कमीशन

ब. ऐच्छिक हैं

स. डेविट एण्ड क्रेडिट दोनो

द. वसूली खाता

इ. लेनदार

सही विकल्प के लिये प्रत्येक पर 1 अंक दिया जाये।

प्र. 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये

1. सामान्य हानि
2. 10 सदस्य
3. पुराने साझेदारी का
4. परिसमापक
5. अंश पत्रों में

सही विकल्प के लिये प्रत्येक पर 1 अंक दिया जाये।

प्र. 3 सही जोड़िया बनाये

	अ		ब
1.	बीजक मूल्य से अधिक मूल्य पर बिक्री	–	अधिभावी कमीशन
2.	सांझेदारी सलेख के अभाव में लाभ हानि का वितरण	–	समान अनुपात में

3. संचित कोष एवं अवितरित लाभ पर अधिकार होता है। – पुराने सांझेदारों का

4. ख्याति का लेखा करना – मेमोरेण्डम विधि

5. कम्पनी के सत्यापन की दशा में – ऋणपत्र धारीओं का भुगतान सर्वप्रथम होता है।

सही विकल्प के लिये प्रत्येक पर 1 अंक दिया जाये।

प्र. 4 निम्नलिखित का सत्य/असत्य में उत्तर दीजिये।

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. असत्य

प्रत्येक सही उत्तर स्पष्ट होने पर एक अंक दिया जाये।

प्र. 5 एक वाक्य में उत्तर दीजिये।

1. आसामान्य हानि
2. चूहे के स्वभाव वाली
3. वसूली खाते में
4. साझेदार के अवकाश ग्रहण पर
5. नहीं किया जा सकता।

प्रत्येक सही उत्तर स्पष्ट होने पर एक अंक दिया जाये।

प्र. 6

आधार	स्थायी पूंजी खाते	परिवर्तनशील पूंजी खाते
1) विषय सामग्री	इस खाते में केवल पूंजी का लेखा करते है।	इस खाते में पूंजी के अलावा पूंजी पर ब्याज, वेतन, कमीशन, आहरण आदि का लेखा करते है।
2) स्थिरता	इसमे पूंजी सदैव स्थिर रहती है।	इसमे पूंजी का शेष सदैव बदलता रहता है।
3) शेष	इस खाते का शेष हमेशा क्रेडिट रहता है।	इस खाते का शेष डेविट भी हो सकता है।
4) चालू खाते	इस खाते बनाने के बाद चालू खाता बनाना आवश्यक है।	इस खाते को बनाने के बाद चालू खाता बनाने की आवश्यकता नहीं होती है।

प्रत्येक बिंदु की व्याख्या पर एक

अथवा

31 दिसम्बर 2009 को समाप्त वर्ष का लाभ हानि नियोजन

विवरण	राशि	विवरण	राशि
पूंजी पर ब्याज		शेष का/ग.	2000.00
अशोक 490			
सलीम 420	910		
वेतन सलीम को	900		
ऋण पर ब्याज	48		
लाभांश अशोक के पूंजी 121			
सलीम के पूंजी 121	242		
	2000.00		**2000.00**

प्रति बिंदु पर ½ अंक दिया जाये।

प्र. 7

अंतर का आधार	**अंश पत्र**	**ऋण पत्र**
प्रतिफल	अंशपत्रधारी लाभांश पाने का अधिकारी होता है।	ऋणपत्र धारी को केवल ब्याज मिलता है।
स्थिति	अंशधारी कम्पनी का स्वामी होता है।	ऋणपत्र धारी लेनदार होता है।
प्रबंध में मांग	अंशधारी कम्पनी के प्रबंध में ले सकता	ऋणपत्रधारी को कोई अधिकार नहीं होता है।
राशि की वापसी	पूंजी समापन के अवसर पर ही वापस की जाती है।	ऋणपत्र का रूपया अनुंबंध के अनुसार निश्चित अवधि के बाद वापस किया जाता है।

प्रति बिंदु पर 1 अंक दिया कुल 4 अंक

अथवा

बैंक खाता नामे 10,00,000

12% ऋणपत्र खाते से 10,00,000

(10,000 ऋणपत्र के लिये 100 रू. प्रति ऋण पत्र की राशि एक मुश्त प्राप्त)

सही उत्तर पर 4 अंक

प्र. 8 पूर्वाधिकार अंश की विशेषता

1. इन्हें लाभांश पर पूर्वाधिकार प्राप्त होता है समता अंशो से पूर्व ही निश्चित लाभांश प्राप्त होता ह।

2. पूंजी वापसी – कम्पनी के समापन पर प्रथम पूर्वाधिकार अंशों की पूंजी वापस की जाती है इन्हें पूंजी वापस की जाती हैं इन्हें पूंजी वापसी में प्राथमिकता होती।

3. स्थायी आय – पूर्वाधिकार अंशों एक स्थायी आय प्राप्त होती है। अतः स्थायी आय चाहने वाले के लिये विनियोज को श्रेष्ठ साधन है।

4. समता अंशों में परिवर्तन व्यापार में अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता होने की दशा में पूर्वाधिकार अंशों को समता अंशों में परिवर्तित किया जा सकता है।

प्रत्येक बिंदु पर 1 अंक कुल 4 अंक

अथवा

XYZ लिमिटेड

क्र.	विवरण	राशि नामे	राशि जमा
1.	बैंक खाता नामे समता अंश आवेदन खाते से (5000 अंशो के आवेदन राशि 20 रू. प्रति अंश की दर से प्राप्त)	1,00,000	 1,00,000
2.	समता अंश आवेदन A/C नामे समता अंश आवेदन खाते से (आवेदन राशि का पूंजी A/C में)	1,00,000	 1,00,000
3.	अंश आवंटन खाता नामे समता अंश पूंजी खाते से	1,75,000	 1,50,000

	अंश प्रीमीयम खाते से (प्रीमियत सहित आवंटन की राशि देय)		25,000
4.	बैंक खाता नामे अंश आवंटन खाते में (प्रीमियत सहित आवंटन राशि प्राप्त)	1,75,000	 1,75,000
5.	समता अंश प्रथम याचना खाते A/c नामे अंश पूंजी खाते से (प्रथम याचना की राशि मांगने पर)	1,50,000	 1,50,000
	बैंक खाता नामे अंश प्रथम याचना खाते में (पथम याचना की राशि प्राप्त)	1,50,000	 1,50,000
	समता अंश द्वितीय एवं अंतिम याचना खाते में अंश पूंजी खाते से (अंश द्वितीय एवं अंतिम याचना मांगने)	1,00,000	 1,00,000
	बैंक खाता नामे अंश द्वितीय एवं अंतिम याचना के (अंतिम याचना की राशि प्राप्त)	1,00,000	 1,00,000

प्रत्येक सही पंजी प्रविष्टि पर ½ अंक कुल 4 अंक

प्र. 9 वित्तीय विवरण विश्लेषण के चार उद्देश्य

1. अर्जन क्षमता अथवा लाभदायकता का ज्ञान प्राप्त : निवेशित पूंजी पर उचित प्रतिफल प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं सुदृण वित्तीय स्थिति बनाये रखने के लिये संतोषप्रद प्रतिफल अर्जित करना आवश्यक है। इसमे होने वाले परिवर्तन के कारणों का अध्ययन करना है।

2. शोधन क्षमकता का ज्ञान फर्म अपने दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋणों की भुगतान करने की स्थिति में है या नहीं।

3. वित्तीय सुदृढ़ता का ज्ञान प्राप्त करना : फर्म को नवीन विस्तार हेतु मशीनरी संयत्र क्रय करने हेतु अपेक्षित धन उपलब्ध हो सकेगा अथवा नहीं।

4. ब्याज एवं लाभांश भुगतान करने की क्षमता इसका उद्देश्य यह जानकारी प्राप्त करना क्या फर्म अपने कामों में से समय–समय पर ऋण पर भाडा का भुगतान समय पर करती रहेगी।

प्रत्येक बिंदु के वर्णन पर 1 अंक

अथवा

लेखांकन अनुपात की चार सीमा

1. केवल मात्रात्मक विश्लेषण और गुणात्मक नहीं यह केवल मात्रात्मक विश्लेषण का उपकरण है। गुणात्मक कारणों पर ध्यान नहीं दिया जाता यह इसकी प्रमुख समस्या है।

2. मूल्य स्तर के परिवर्तनों को न दर्शाना वित्तीय विवरण में साधारण मूल्य स्तर परिवर्तन का समावेश नहीं किया जाता है। अतः मूल्य स्तर पर परिवर्तनों का समावेश न होने के कारण भ्रामक परिणाम प्राप्त होते है।

3. ऐतिहासिक विश्लेषण केवल भूतकालीन तथ्यों के आधार पर विश्लेषण किया जाता है अतएव इन्हें वर्तमान एवं भविष्य के लिये प्रयोग करना सदैव ही वांछनीय नहीं होता।

4. व्यक्तिगत योग्यता एवं पक्षपात का प्रभाव, अनुपात विश्लेषण में निष्कर्ष एवं निर्वचन विश्लेषण की व्यक्तिगत योग्यता एवं पक्षपात से प्रभावित होते है।

प्र. 11 नामे

इटारसी प्रेषण खाता

विवरण	**राशि**	**विवरण**	**राशि**
प्रेषित माल कीमत	7000	बीमा क. से प्राप्त	1000
रोकड़ी व्यय (इंदौर)		विक्रय (25 पेटी प्रेषण	7500
गाडी भाडा रेट	700	स्कंध की गणना 5	
प्रतिनिधि के व्यय	420	पेटी की लागत 1000	
बिक्री व्यय	600	+प्रधान के 100	
विक्रय पर कमीशन	375	+प्रतिनिधि 70	170
प्रेषण पर लाभ	575		
	9670		9670

कुल प्रेषित माल 35 पेटी स्कंध की गणना

रास्ते में नष्ट 5 पेटी $\frac{7000X5}{35}$ 1000

30

विक्रय 25 पेटी + प्रधान के व्यय $\frac{700X5}{35}$ = 100

शेष स्कंध 5

प्रतिनिधि के आ. $\frac{420X5}{30}$

प्रत्येक सही बिंदु पर ½ अंक गणना पर ½ अंक

अथवा

अंतर का आधार	प्रेषण खाता	व्यापार एवं लाभ हानि खाता
उद्देश्य	इस खाते का उद्देश्य एजेंसी का लाम हानि ज्ञात करना होता।	यह खाता सम्पूर्ण व्यापार की काम हानि ज्ञात करने हेतु बनाया जाता है।
तैयार करना	यह प्रधान या स्वामी द्वारा बनाया जाता है।	यह व्यापार के स्वामी द्वारा बनाया जाता है।
व्यक्तिगत खाता	इसमे व्यक्तिगत खाते की मदें नहीं लिखी जाती है।	इसमे भी व्यक्तिगत खाते की मदे नहीं लिखी जाती है।
आनुपातिक व्यय	स्टॉक में किये गये आनुपातिक व्यय जोड़े जाते है।	इसमें आनुपातिक व्यय नहीं जोड़े जाते है।
लाभ	लाभ को लाभ हानि खाते में स्थानांतरित किया जाता है।	सकल लाभ व्यापार खाते में एवं शुद्ध काम को पूंजी खाते में स्थानातंरित किया जाता है।

प्र. 12 ख्याति उत्पन्न होने के कारण (पांच)

1. व्यापार की स्थिति, यदि व्यापार ऐसे स्थान पर हो जहां ग्राहकों को आने जाने की किसी प्रकार की कठिनाई ना हो, जो शहर के प्रमुख स्थान, बाजार या चोराहे पर स्थित हो, तो व्यापार शीध्र ही ख्याति अर्जित कर लेता है।
2. अच्छा माल तथा उचित कीमत जो व्यापारी ग्राहकों को उचित कीमत एवं मिलावट रहित वस्तु उत्तम किस्म की उपलब्ध कराना हो। ऐसे व्यापार की ख्याति शीघ्रता से बढ़ती है।
3. विज्ञापन उत्पादित वस्तुओं का लगातार विज्ञापन करने से भी ख्याति अर्जित कर सकने में समर्थ हो जाती।
4. संतुष्ट कर्मचारी फर्म में कार्य करने वाले कर्मचारी यदि संतुष्ट है तो वह भी व्यापार भी ख्याति दृष्टि में सहायक होते है।

5. एकाधिकार :– एकाधिकार से व्यापार ख्याति में वृद्धि होती है। क्योंकि ग्राहकों को ऐसी दुकान पर बारम्वार वस्तुयें खरीदने हेतु आना पड़ता है, जिससे ख्याति में वृद्धि होती है।

प्रत्येक बिंदु पर 1 अंक कुल 5 अंक

अथवा

ख्याति का गणना हलसामान्य लाभ = $\frac{\text{पूंजी X काम की दर}}{100}$

$\frac{40,000 \times 10}{100}$ = 4000

अधिकाम 4000 वास्तविक

– वास्तविक लाभ 8000

– सामान्य लाभ 4000

ख्याति का मूल्य = $\frac{\text{अधिकाय X समस्त संख्या}}{4000 \times 3}$ 12000

ख्याति का मूल्य 12000

गणना पर 4 अंक उत्तर पर 1 अंक

प्र. 13 पुनर्मूल्याकंन खाता

विवरण	राशि	विवरण	राशि
उपस्कर	360	रहतिया	5400
यंत्र	6000	पूंजी खाता	
इवंत ऋण कोष	3600	राम	3040
		श्याम	1520
	9960		**9960**

साझेदारों के पूंजी खाते

विवरण	राम	श्याम	कृष्णा	विवरण	राम	श्याम	कृष्णा
पुनमूल्याकंन से हानि	3040	1520		शेष क/ग	1,02,900	73,500	—
शेष काग	1,10,260	77,180	46,860	ख्याति का रोकड़	110,400	5,200	—
	1,13,300	**78,700**	**46,800**		**1,13,300**	**78,700**	**46,800**

कृष्णा की पूंजी की गणना

1. नया अनुपात $1-\frac{1}{5}=\frac{4}{5}$ शेष राम $\frac{4}{5}\times\frac{2}{3}=\frac{8}{15}$

   श्याम $\frac{4}{5}\times\frac{1}{3}=\frac{4}{15}$ कृष्णा $=\frac{1}{5}$ या $\frac{3}{15}$

   नया अनुपात 8 : 4 : 3

2. राम और श्याम के पूंजी खाते के शेष का योग = (1,10,260 + 77,180) = 1,87,440 जो कि (8+4) = 12 भाग की पूंजी।

   1 भाग की पूंजी = $\frac{1,87,440}{12}$ = 15620 रूपये

   अतः कृष्णा 3 भाग हेतु पूंजी देगा (15620 X 3 = 46,860)

अथवा

अवकाश ग्रहण करने वाले सांझेदार को प्राप्त होने वाली राशि या निवृतमान साझेदार निम्न राशियां पाने का अधिकार होता

1. अपने पूंजी खाते तथा चालू खाते का जमा शेष
2. सम्पत्तियों एवं दायित्वों के पुर्नमूल्याकंन पर लाभ का भाग
3. यदि कोई अविभाजित लाभ या संचित कोष हो तो उसका अनुपातिक भाग

2. अवकाश ग्रहण करने वाले सांझेदार से की जाने वाली राशिया :– जब कोई साझेदार फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। निम्नलिखित राशियां देनी पड़ती है। 1) अवकाश ग्रहण करने की तिथि तक के आहरणों की राशि तथा इन पर देय ब्याज 2) पूंजी खाते अथवा चालू खाते का विकलन शेष अविभाजित हानि का आनुपातिक भाग।

3. निवृत सांझेदार को देय राशि की गणना : उपरोक्त वर्णित में राशियां। निवृत सांझेदार के पूंजी खाते में जमा तथा (2) में वर्णित राशियां नाम की जाती है। इस प्रकार से बनाया गया खाता जो (समा.) शेष प्रदर्शित करता है वही शेष निकृत साझेदार को दी जाने वाली राशि होती है।

प्रत्येक बिंदु पर वर्णन पर 1½ अंक एवं उदाहरण ½

प्र. 14 अंशो के हरण से आशय : यदिक कोई अंश धारी अंशों पर की गयी याचनाओं का भुगतान निश्चित अवधि में नहीं करता है तो कम्पनी उन अंशधारियों को आवण्टित किये अंशों को जब्त कर लेती इस प्रकार से अंशों को जब्त करना अंशों का हरण कहलाता है।

वैद्य दशायें 1) अंशों के हरण का अधिकार अर्तनियमों द्वारा दिया जाना चाहिये या न्यायालय का अनुमोदन होना चाहिये। 2) अंशों के हरण के लिये कम्पनी के पास पर्याप्त कारण होना चाहिये। 3) अंशों के हरण का प्रस्ताव संचालक मण्डल की सभा में पारित होना चाहिये। 4) हरण के अधिकार का प्रयोग कम्पनी के हित में ही

होना चाहिये। 5) इन हरण किये अंश कम्पनी की सम्पत्ति हो जाती है। अतः कम्पनी इन अंशों को उचित मूल्य पर पुन निर्गमित कर सकती है।

अथवा

जब्त अंशों के पुर्न निर्गमन की प्रक्रिया कम्पनी अपने अर्तनियमों के प्रावधानों के अधीन, हरण किये गये अंशों को रद्द कर कसती है या पुर्न निर्गमन कर सकती है। पुनः निर्गमन सममूल्य पर, वट्टे पर, अथवा प्रीमियम पर हों सकते हैं, पुन निर्मगमन पर पूरी रकम एक साथ ले सकती है, अगर अंशों का वहे पर पुर्ननिगर्मगन किया जा रहा है तो वहे की राशि उस राशि से अधिक नहीं होनी चाहिये, जितनी पहले वाले अंशधारी ने चुकता कर दी थी, पुर्ननिर्गमन पर दियेजा रहे वट्टे की राशि से वहा खाते को डिस्काउंट एकाउण्डट डेविट न करके अंश हरण खाते को डेविट करते है इसके बाद भी यदि अंशकरण खाते का शेष बचता है तो उसे पूंजी संचय खाते में हस्तांतरित कर देना चाहिये।

प्र. 15 कम्पनी की स्थिति विवरण के सम्पत्ति पक्ष की प्रमुख मदें निम्नलिखित हैं :–

1. स्थायी सम्पत्ति :

   1) ख्याति 2) भूमि 3) भवन 4) वट्टे पर प्राप्त सम्पत्तियां 5) रेल्वे साईडिंग 6) कल एवं यंत्र 7) फर्नीचर एवं फिटिंग्स 8) सम्पत्तियों में विकास 9) विशिष्टाधिकार, व्यापारिक चिन्ह एवं डिजाइन आदि का मूल्य 10) जीवित स्टाक, पशु पक्षी 11) वाहन आदि का लेखा क्रमांक सार किया जाता है।

2. विनियोग या निवेश इन्हें निम्नलिखित क्रम में लिखते हैं।

   अ) शासकीय एवं न्यास प्रतिभूतियों से विनियोग ब) अंशों, ऋणपत्रों एवं वाण्डों में विनियोग स) अचल सम्पत्तियों में विनियोग द) किसी साझेदारी फर्म में पूंजी के रूप में विनियोग

3. चालू सम्पत्तियां ऋण एवं अग्रिम : इसके अंगर्तत विनियोगो पर ब्याज, स्टोर्स, एवं सहायक उपकरण, खुले औजार, व्यापारिक रहतिया, चालू कार्य विधि देनदार हस्तस्थ रोकड़ शेष एवं बैंक शेष को क्रमानुसार लिखते हैं।

   ब. प्रावधान ह्रास, 4. विधि व्यय, लाभ हानि खाते के अंतर्गत आने वाली मदें

प्रत्येक के वर्णन पर 1 अंक दिये जाये।

अथवा

दायित्व पक्ष की तीन मदें

1. अंश पूंजी प्राधिकृत पूंजी (अंश) निर्गमित अंश पूंजी अमिदत पूंजी अप्राप्त याचना (–) अंश हरण खाता पूर्व प्राप्त याचना खाता।

2. संचय एवं अतिरेक 1) पूंजी संचय 2) पूंजी मोचन संचय 3) अंश प्रब्याजि खाता 4) अंश संचय 5) लाभ हानि खाते का प्रस्तावित शेष 6) संचय में प्रस्तावित वृद्धि 7) सिलिंग कोष

3 सुरक्षित ऋण 1) ऋणपत्र 2) बैंक से ऋण एवं अग्रिम 3) सहायक कम्पनीयों से ऋण 4) अन्य ऋण एवं अग्रिम

प्र. 16 पूंजी प्रविष्टि या वसूली खाते से सम्पत्ति

वसूली खाता नामे मशीनरी खाते से स्टाफ खाते से देनदार खाते से (सम्पत्तियों का वसूली खाते मे अंतरण)	21500	 9000 10,000 2500
लेनदार खाता नामे वसूली खाते से (दायित्व का वसूली खाते में अंतरण)	3000.00	 3000.00
रोकड़ खाता नामे वसूली खाते से (मशीनरी 7200, स्टाक से 9000,	18200.00	 18200.00

देनदारों से 2000 रू. प्राप्त हुये)		
वसूली खाता नामे रोकड़ खाते से (लेनदारों को 10% कटौती पर भुगतान)	2700.00	 27000.00
वसूली खात नामे रोकड़ खाते से (विघटन व्यय का भुगतान)	500.00	 500.00
नेहा का पूंजी खाता नामे अंकिता का पूंजी खात नामे वसूली खाते से (वसूली ACC की हानि पूंजी खाते में अंतरित)	1750.00 1750.00	 3500.00

वसूली A/C

विवरण	राशि	विवरण	राशि
मशीनरी खाता	9000.00	लेनदार खाता को	3000.00
स्कंध खाता से	10,000.00	रोकड़ खाता को	18,200.00
देनदार खाते	2500.00	पूंजी खाता	
रोकड़ (लेनदार)	2700.00	नेहा 1750	
रोकड़ खाता (व्यय)	500.00	अंकिता 1750	3500.00
	24700.00		**24700.00**

अथवा

अंतर का आधार	वसूली खाता	पुनर्मुल्याकन खाता
1. समय	यह खाता फर्म के विघटन पर बनाया जाता है।	नये साझेदार के प्रवेश पर अथवा पुराने सांझेदार की निवृति पर बनाया जाता है।
2. उद्देश्य	सम्पत्ति की वसूली एवं दायित्वों के भुगतान हेतु बनाया जाता है।	सम्पत्ति एवं दायित्वों के पुर्न मूल्यांकन हेतु बनाया जाता है।
3. अंतिम परिणाम	यह खाता वसूली पर लाभ अथवा हानि को इगिंत करता है।	पुनमूल्याकंन से काम या हानि प्रदर्शित होती है।
4. पद्धति	इस खाते में सम्पत्ति एवं दायित्वों उनके मूल्य (पुस्तकीय) पर हस्तांतरित किया जाता तथा वसूली की गयी राशि की एवं भुगतान की गयी राशि को लिखा जाता है।	सम्पत्तियों एवं दायित्वों के मुल्य में वृद्धि या कमी की गयी राशि से बनाया जाता है।
5. संगठन पर प्रभाव	फर्म का अस्तित्व समाप्त हो जाता है।	फर्म के स्थिति विवरण में परिवर्तन होता है।
6. खातों पर प्रभाव	वसूली खातों में सम्पत्तियों एवं दायित्व के हस्तांतरण सभी खाते बंद हो जाते है।	सम्पत्ति एवं दायित्व के खाते में पुनमूल्याकंन के कारण परिवर्तित हो जाते है। खाते खुले रहते है।

Q. 17 In the books of Asha Industries

Date	Particulars	i.f	Amount	Amount
1.	Machinary A/c Dr. To Pratik machinary (being machinery purchased)		80,000/-	 80,000/-
2.	Pratik Machinary To cash A/c To Capital A/c (Being cash paids issued)		80,000	 30,000 50,000

Or

अति अभिदान :– कम्पनी अपनी आवश्यकतानुसार अंशों का निर्गमन करती है। कभी – कभी ऐसा होता है कि कम्पनी जितने अंशों को निर्गमित करती है, उससे अधिक अंशों के लिए आवेदन पत्र कम्पनी को प्राप्त हो जाते हैं, इस स्थिति को ही अति अभिदान कहते हैं,

ब) अंश प्रीमियम :– जब अंशों को उनके अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर निर्गमित किया जाता है तो इसे अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन कहा जाता है। अंशों का निर्गमित मूल्य तथा उनके अंकित मूल्य की अन्तर राशि राशि की प्रीमियम हैं। इस राशि से पुस्तकों में प्रीमियम (प्रब्याजि) खाता खोला जाता है तथा चूंकि यह कम्पनी का लाभ है, इसलिए इस खाते को समाकलन किया जाता है। प्रीमियम की राशि प्रायः आवेदन पत्र के साथ ग आवंटन के साथ प्राप्त होती है। यह राशि याचना पर भी प्राप्त की जा सकती है।

प्र. 18 **Journal Entries**

Date	Particulars	i.f.	Dr. Amt.	Cr. Amt.
1	Bank A/c Dr. To 6% debenture application (being amt reed on application)		50,000	 50,000
2.	6% debenture application A/c Dr. To 6% debenture A/c (Being amt. due on application)		50,000	 50,000
3.	6% debeture allotment A/c Dr. Discount on issue on debenture A/c for To debeture A/c (Allotment money due dicount adjusted)		1,00,000 50,000	 1,50,000
4.	Bank A/c Dr. To6% debeture allotment (Allotment money received)		1,00,000	 1,00,000
5.	6% debeture first call A/c Dr. To 6% debeture A/c (Debenture first call money due)		2,00,000	 2,00,000
6.	Bank A/c Dr. To 6% debentrue first call (Being amt reed on first call)		2,00,000	 2,00,000

7.	6% Debeture final call A/c To 6% debenture A/c (being debenture second and final call money due)		1,00,000	 1,00,000
8.	Bank A/c Dr. To 6% debenture Ii and final call A/c (Final call money reed)		1,00,000	 1,00,000

अथवा

उ. 18 ऋणपत्रों के शोधन की चार पद्धतियों लोकप्रिय है

1. एक मुश्त राशि में भुगतान करना :–

जब कम्पनी अपनी इच्छा से ऋणपत्रों का शोधन ऋणपत्रधारियों को निर्धारित तिथि को अथवा इसके पूर्ण इकट्ठी राशि के भुगतान द्वारा कर देती है तो इसे एक मुश्त राशि में भुगतान शोधन कहा जाता है।

2. किश्तों में भुगतान करना – यदि ऋण पत्रों के निर्गमन में यह शर्त हो कि उनका शोधन किसी वर्ष विशेष से किश्तों में किया जायेगा तो वास्तव में जिन ऋणपत्रों का शोधन किया जाता है, वे लाट्स द्वारा चुने जाऐगें। शोधन उसी के अनुसार या तो पूंजी से किया जा सकता है या लाभों में से।

3. खुले बाजार में ऋणपत्रों का क्रय करना :–

जब कोई कम्पनी अपने स्वयं के ऋणपत्र खुले बाजार में खरीदकर उन्हें तत्काल कर देती है तो इसे ऋणपत्रों का निरस्तीकरण या खुले बाजार में ऋणपत्र खरीदकर शोधन करना कहते है।

4. परिवर्तन द्वारा ऋणपत्रों का शोधन –

कम्पनी अपने ऋणपत्रों का शोधन करने के लिए ऋणपत्रधारियों को जब यह विकल्प देती हैं कि वे चाहे तो अपने ऋणपत्रों को अंशों में या नये ऋणपत्रों में परिवर्तित करा लें ऋणपत्रधारी लाभप्रद मानकर ऐसे विकल्प की स्वीकृत दे देते हैं तो इसे परिवर्तन द्वारा ऋण पत्रों का शोधन कहते हैं।

प्र. 19

Current ratio= $\frac{\text{Current assets}}{\text{Current liabilities}}$

= $\frac{2500+3000+3000+2000+500}{3000+2600+1400+2000}$

= $\frac{12000}{9000}$ = 1.33:1

ii) Liquid Ratio= $\frac{\text{liquid assets}}{\text{Current liabilites}}$

= $\frac{10,000}{9,000}$ = $\frac{(2,500+3000+4000+500)}{(3000+2600+1400+2000)}$

= 11:1

iii) Absolute liquid ratio = $\frac{\text{Absolute liquid assets}}{\text{liquid liabilities}}$

= $\frac{3000}{7000}$ = $\frac{(2500+500)}{(3,000+2600+1400)}$

= 0.43 : 1

अथवा

वित्तीय विश्लेषण की विधियां

1. अनुपात विश्लेषण : अनुपात एक संख्या का दूसरी संख्या से तुलना को यक्त करता है विभिन्न मदों अथवा मदों के समूह का पारस्परिक सम्बंध का अध्ययन करता है अनुपात विश्लेषण कहलाता है।

2. कोष प्रवाह विश्लेषण कोष प्रवाह विवरण में दो तिथियों के बीच परिसम्पत्तियों, देयताओं एन पूंजी में हुये परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है। इसके लिये कोष प्रवाह विवरण तैयार किया जाता है। जो वर्ष के दौरान कार्यशील पूंजी में हुये परिवर्तनों के कारणों पर प्रकाश डालता है।

3. सम विच्छेद बिंदु विश्लेषण : सम विच्छेद बिंदु पर बिंदु होता है जहां कुल लागत कुल विक्रय के लगभग बराबर होती है अर्थात कुल लागत = कुल आगम, इस बिंदु पर न तो काम होता है न हानि। इस बिंदु को न काम न हानि बिंदु भी कहा जाता है।

प्र. 20 का उत्तर

रोकड़ प्रवाह विवरण एवं कोष प्रवाह विवरण में अंतर

अंतर का आधार	**रोकड़ प्रवाह विवरण**	**कोष प्रवाह विश्लेषण**
1. अवधारणा	रोकड़ प्रवाह विश्लेषण संकुचित अवधारणा पर आधारित होता है।	कोष प्रवाह विश्लेषण व्यापक अवधारणा पर आधारित होता है।
2. अंतर की गणना	इसमे रोकड़ के आवक तथा जावक की गणना की जाती है।	इसमें कार्यशील पूंजी में कमी या वृद्धि के अंतर की गणना की जाती है।
3. लेखांकन का अधार	इसमें लेखाकंन के रोकड़ी आधार को ही ध्यान में रखा जाता	इसमें लेखाकंन के वास्तविक आधार को ध्यान में रखा जाता है।
4. उपयोगिता	यह अल्पकालीन रोकड़ की स्थिति तथा नियोजन में विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होता	यह मध्यमकालीन तथा दीर्घ कालीन वित्तीय नियोजन के लिये बहुत उपयोगी है।

प्रत्येक बिन्दु के विवरण पर 1½ अंक दिये जायें

अथवा

विवरण	**राशि**
रोकड का आगमन	
रोकड़ शेष 1.01.08	40,000.00
अंश पूंजी का निर्गमन	8500.00
भवन का विक्रय	4,000.00
व्यवसाय संचालन से	3,900.00
प्राप्त रोकड़	56,400.00
रोकड़ का निर्गमन	
संयंत्र की खरीद	2,000.00
रोकड़ शेष 31.12.08	54,400.00
	56,400.00

व्यवसाय संचालन से प्राप्त रोकड़ की गणना –

लाभ संचय में हस्तान्तरण (19500–15,000) = 4500

जोड़ों – 1	ह्रास	7800		
2.	लेनदारों में वृद्धि	2000		
3.	ऋणपत्रों पर कटौती	200 + 10,000		4,500
	घटाओं देनदारों में वृद्धि		10600 –	10600.00
				3,900.00